Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. सुमति अपने यजमानों के लिए क्या ले गया था?

(अ) बोधगया का प्रसाद (ब) बोधगया की मूर्ति

(स) बोधगया का वस्त्र (द) बोधगया के गंडे

2. मैं अब पुस्तकों के भीतर था। नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है

(अ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था। (ब) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

(स) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं। (द) लेखक पुस्तकों की शैल्फ़ के भीतर चला गया।

3. ल्हासा की ओर नामक पाठ के संदर्भ में लेखक किस की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था?

(अ) दोवीनिवस्तो (ब) दोविनिक्स्तो

(स) दोन्क्विक्सतो (द) दोन्विक्स्तो

4. साधु बनने के बाद राहुल सांकृत्यायन किस नाम से जाने जाते थे ?

(अ) केदारनाथ (ब) राहुल पांडे

(स) दामोदर (द) केदार पांडेय

5. तिब्बत में सबसे विकट थोड्ला की ऊंचाई कितनी है?

(अ) 18-19 हजार फीट (ब) 14-15 हजार फीट

(स) 16-17 हजार फीट (द) 12-13 हजार फीट

6. लङ्गोर जाते समय लेखक ने जो चावल के साथ मूली, हड्डी और मांस के साथ पतली लेई की तरह पकाया गया खाद्य पदार्थ खाया उसे किस नाम से जाना जाता है?

(अ) सत्तू (ब) भाजी

(स) विशेष चाय (द) विशेष चाय

7. ल्हासा की ओर पाठ के सन्दर्भ में पहले और दूसरी बार लेखक किस वेश में तिब्बत यात्रा पर गए थे?

(अ) यात्री के रूप में (ब) धर्मप्रचारक के रूप में

(स) भिखमंगे/भद्रवेश में (द) विद्यार्थी के रूप में

8. यात्रा वृत्तांत ल्हासा की ओर' में शेकर विहार के मंदिर में लेखक को क्या मिला?

(अ) बुद्धवचन की हस्तलिखित पोथियाँ (ब) बुद्धवचन का हिंदी अनुवाद

(स) बुद्ध के अमृत वचन (द) बुद्धवचन पोथी

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. ल्हासा की ओर पाठ के संदर्भ में डाँड़ा थोंड्ग्ला में खून होने पर खूनी को सजा क्यों नहीं मिल पाती?

(अ) क्योंकि खून करने वाले के खिलाफ कोई गवाह नहीं होता (ब) क्योंकि खून करने वाले शक्तिशाली आदमी हैं

(स) क्योंकि यहाँ जमींदार की चलती है (द) क्योंकि वहाँ कोई न्यायालय नहीं है

10. नेपाल-तिब्बत मार्ग व्यापारिक होने के साथ-साथ कौन-सा मार्ग था?

(अ) सैनिक मार्ग (ब) इनमें से कोई नहीं

(स) आम-आवागमन मार्ग (द) पर्यटन मार्ग

रिक्त स्थान :

11. ल्हासा की ओर नामक पाठ के संदर्भ में तिब्बत में भिक्षु को _____ कहते हैं।

12. ल्हासा की ओर नामक पाठ के संदर्भ में लेखक के साथ दूसरा व्यक्ति _____ था।

सत्य / असत्य

13. लेखक राहुल सांकृत्यायन जी की मृत्यु 1973 में हुई।

14. तिङ्गरी- समाधि-गिरी नदी का विशेष स्थान का नाम है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. कंजुर क्या हैं? इनकी विशेषताएँ लिखिए।

16. तिड्री का विशाल मैदान कैसा था?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. डाँड़े के देवता का स्थान कहाँ था? उसे किस प्रकार सजाया गया था?

18. तिब्बत में कृषि योग्य जमीन की क्या स्थिति है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. लेखक का भिखमंगों जैसा वेश तथा सुमति का साथ उसकी यात्रा में किस तरह सहायक हुआ?

20. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

HOTS

21. लेखक ने अपने यात्रा-वृत्तांत में तिब्बत की भौगोलिक यात्रा का जो चित्र खींचा है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (द) बोधगया के गंडे।
2. (ब) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।
3. (स) ल्हासा की ओर नामक पाठ के संदर्भ में लेखक दोन्क्विकस्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था। दोन्क्विक्सतो एक स्पेनिश उपन्यास डॉन क्विक्ज़ोट का नायक था, जो घोड़े पर चलता था।
4. (स) धर्म बदलने के बाद नाम परिवर्तित किया जाता है। राहुल सांकृत्यायन का नाम दामोदर रखा गया।
5. (स) यह 16-17 हजार फीट की ऊंचाई पर है और दूर-दूर तक यहां कोई गाव नहीं होते।
6. (द) थुक्पा। यह आंचल विशेष में पकने वाला भोजन है।
7. (स) भिखमंगे/भद्रवेश में।
8. (अ) बुद्धवचन की हस्तलिखित पोथियाँ।
9. (अ) ल्हासा की ओर नामक पाठ के संदर्भ में डाँड़ा थोंड्ग्ला में खून होने पर खूनी को सजा नहीं मिलती थी क्योंकि खून करने वाले के खिलाफ कोई गवाह नहीं होता।
10. (अ) पाठ के अनुसार नेपाल-तिब्बत मार्ग व्यापारिक होने के साथ-साथ सैनिक मार्ग भी था, जहाँ चीनी फ़ौज का कब्जा हुआ करता था।
11. **रिक्त स्थान :** नम्से
12. **रिक्त स्थान :** सुमति
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. कंजुर भगवान बुद्ध के वचनों की हस्तलिखित अनुवादित पोथियाँ हैं। ये पोथियाँ मोटे-मोटे कागजों पर अच्छे व बड़े अक्षरों में लिखी हुई हैं। एक-एक पोथी लगभग पंद्रह-पंद्रह सेर की है।
16. पहाड़ों से घिरा हुआ टापू के समान।
17. डाँड़े के देवता का स्थान उस चोटी पर था जो सबसे ऊँची थी। उस स्थान को जानवरों की हड्डियों और से पत्थरों के ढेर से सजाया गया था। वहाँ पर जानवरों के सींग भी रखे हुए थे। इसके आसपास रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियाँ लगाई गई थीं।
18. तिब्बत में कृषि योग्य जमीन को छोटे-छोटे जागीरदारों में बाँटा गया है। इन जमीनों पर मठों का नियंत्रण है। प्रत्येक मठ का प्रमुख बौद्ध भिक्षु होता है। इन पर काम करने वाले मजदूर बेगार में ही मिल जाते हैं। इसका प्रबंधन करने वाले बौद्ध भिक्षु को राजा की तरह माना जाता है।
19. लेखक भिखमंगों के वेश में यात्रा कर रहा था। ऐसे में उसके पास धन होने की कल्पना कोई नहीं कर सकता था। इस स्थिति में वह दया का पात्र दिखता था। लेखक जहाँ कहीं भी संदिग्ध व्यक्ति को देखता वह टोपी उतार कर और अपनी जीभ निकालकर "कुची-कुची" (दया-दया) एक पैसा कहकर भीख माँगने लग जाता। इससे डाकू या संदिग्ध व्यक्ति उसे भिखमंगा समझकर आगे बढ़ जाते और लेखक अपनी यात्रा पर साथियों के साथ आगे बढ़ जाता। इस कारण उसे अपनी जान बचाने की परवाह नहीं थी। इसके अलावा सुमति के साथ होने से उसे कहीं भी किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। रुकने के लिए उसे अच्छे से अच्छा स्थान मिला। उसे प्रत्येक स्थान पर वैसा ही मान-सम्मान मिलता जैसा सुमति को मिलता। उसकी आवभगत में कोई कमी नहीं हुई।
20. सुमति के यजमान और उनके परिचित हर गाँव में लेखक को मिले। इससे सुमति के व्यक्तित्व की अनेक विशेषताएँ प्रकट होती हैं, जैसे —
   i. सुमति मिलनसार एवं हँसमुख व्यक्ति हैं।
   ii. सुमति वहाँ के लोगों के लिए धर्मगुरु के समान हैं, जो उन्हें बोधगया से लाए गंडे दिया करते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

iii. वे समय के पाबंद हैं इसलिए लेखक के समय पर न पहुँचने पर वे नाराज़ होते हैं।

iv. वे स्वभाव से लालची प्रवृत्ति के हैं। बोधगया से लाए गंडे समाप्त हो जाने पर वे साधारण कपड़े से गंडे बनाकर अपने यजमानों को देकर उनसेन प्राप्त करते हैं।

v. सुमति बौद्ध धर्म में आस्था रखते थे ।

vi. उन्हें तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का अच्छा ज्ञान था।

vii. वे आतिथ्य सत्कार में कुशल थे। उन्होंने लेखक का इंतज़ार करते हुए चाय को तीन बार गर्म किया और अकेले चाय नहीं पी।

21. तिब्बत भारत के उत्तर में स्थित पर्वतीय प्रदेश है। यहाँ के रास्ते बड़े ही दुर्गम हैं। ये रास्ते घाटियों से घिरे हुए हैं। यहाँ की जलवायु ठंडी है। यहाँ सर्दी अधिक पड़ती है। एक ओर दुर्गम चढ़ाई है तो दूसरी ओर गहरी-गहरी खाइयाँ हैं। चढ़ते समय जहाँ सूरज माथे पर रहता है वहीं उतरते समय पीठ भी ठंडी हो जाती है। इसके एक ओर बर्फ से ढकी हुई हिमालय की चित्ताकर्षक चोटियाँ हैं तो दूसरी ओर बर्फरहित भूरी पहाड़ियां। पहाड़ियों के मोड़ बड़े ही खतरनाक हैं। इन स्थानों पर डाकुओं का भय रहता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App